International Journal of Education and Science Research Review
E-ISSN 2348-6457
Volume-10, Issue-5 Sep - Oct – 2023
P-ISSN 2349-1817
www.ijesrr.org
Email- editor@ijesrr.org

पुरुष जातक व स्त्री जातक की कुण्डली में मंगल की भावगत स्थिति के सुखद व असुखद दाम्पत्य जीवन के प्रभाव का अध्ययन

अनुप्रिया (रिसर्च स्कॉलर),
ग्लोकल स्कूल कला व समाजिक विज्ञान, (ज्योतिष संकाय)
ग्लोकल विश्वविद्यालय, मिर्जापुर पोल, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश

प्रो. (डॉ०) सुषमा रानी (रिसर्च सुपरवाइजर),
ग्लोकल स्कूल कला व समाजिक विज्ञान (ज्योतिष संकाय) ,
ग्लोकल विश्वविद्यालय, मिर्जापुर पोल, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश

विषय कथन

सुखद दाम्पत्य के लिए ज्योतिष में कुण्डली मिलान की यह शाखा भी ऐसे विरोधों से वंचित नहीं है। स्थानीय परम्पराओं के अनुसार भी 'मांगलिक योग' आदि का निर्णय करने में भारी मतभेद मिलता है।सुखद दाम्पत्य जीवन के लिए जन्मांगों में अशुभ ग्रहों की स्थिति विशेषकर मंगल की स्थिति पर दैवज्ञ विशेष बल देते हैं। क्या जातक के जन्मांग में किसी विशेष भाव में अशुभ ग्रह ;मंगलद्ध की स्थिति का जातक के दाम्पत्य जीवन पर कोई अशुभ प्रभाव होता है या नहीं, अगर होता है तो क्या जिसके साथ उस जातक का विवाह किया जाए उसके जन्मांग में भी मंगल की स्थिति किसी विशेष भाव में होनी चाहिए।

प्रस्तावना

प्रस्तुत शोध की उपलब्धियों के तथ्य निम्न प्रकार से हैं। यदि पुरुष जातक की कुण्डली में मंगल नवम भाव में है तथा स्त्री जातक की कुण्डली में मंगल अष्टम भाव में है तो विशेष शुभ तथा पुरुष जातक की कुण्डली में मंगल चतुर्थ, नवम व एकादश भाव में मंगल है तथा स्त्री जातक की कुण्डली में मंगल क्रमशः द्वितीय, पंचम व दशम भाव में हो तो विशेष अशुभ होता है। यदि पुरुष जातक की कुण्डली में सूर्य तृतीय भाव में हो तथा स्त्री जातक की कुण्डली में भी सूर्य तृतीय भाव में ही हो तो दाम्पत्य जीवन विशेष सुखद तथा यदि सूर्य तृतीय व चतुर्थ में हो तथा स्त्री जातक की कुण्डली में सूर्य क्रमशः षष्ठ व चतुर्थ भाव में हो तो विशेष असुखद दाम्पत्य होता है। यदि पुरुष जातक की कुण्डली में चन्द्रमा नवम भाव में हो तथा स्त्री जातक की कुण्डली में चन्द्रमा अष्टम भाव में हो तो दाम्पत्य जीवन विशेष शुभ व नवम भाव में हो तो विशेष असुखद दाम्पत्य जीवन

होता है। यदि पुरुष जातक की कुण्डली में गुरु प्रथम, तृतीय व सप्तम भाव में हो तथा स्त्री जातक की कुण्डली में गुरु क्रमशः अष्टम, द्वितीय व द्वादश भाव में हो तो दाम्पत्य जीवन विशेष शुभ होता है तथा यदि गुरु पुरुष जातक की कुण्डली में प्रथम, पंचम, अष्टम, द्वादश भाव में हो तथा स्त्री जातक की कुण्डली में गुरु क्रमशः नवम, प्रथम, अष्टम व षष्ठ भाव में हो तो दाम्पत्य जीवन विशेष रूप से असुखद होता है।

यदि पुरुष जातक की कुण्डली में शनि द्वितीय, तृतीय, सप्तम, दशम भाव में हो तथा स्त्री की कुण्डली में शनि क्रमशः पंचम, अष्टम, चतुर्थ व द्वितीय भाव में हो तो दाम्पत्य जीवन विशेष शुभ होता है। यदि शनि पुरुष जातक की जन्मकुण्डली में चतुर्थ भाव में हो तथा स्त्री जातक की कुण्डली में षष्ठ भाव में होने से दाम्पत्य जीवन विशेष असुखद रहता है। पुरुष जातकों की कुण्डली में मंगल की द्वादश भावगत स्थिति के अनुसार स्त्री जातकों की कुण्डली में मंगल की भावगत स्थिति के सुखद व असुखद दाम्पत्य जीवन की सम्भावनाएं निम्न प्रकार से हैं।

पुरुष – मंगल भाव	स्त्री– मंगल भाव सुखद	स्त्री–मंगल भाव असुखद
प्रथम	द्वितीय	-
द्वितीय	तृतीय,सप्तम	-
तृतीय	-	सप्तम
चतुर्थ	चतुर्थ	द्वितीय
पंचम	प्रथम	चतुर्थ, नवम, द्वादश
षष्ठ	-	-
सप्तम	-	दशम
अष्टम	-	अष्टम
नवम	अष्टम,दशम	पंचम
दशम	द्वितीय	षष्ठ,अष्टम,सप्तम
एकादश	सप्तम,एकादश	नवम,दशम
द्वादश	-	-

पुरुष जातकों की कुण्डली में सूर्य की द्वादश भावगत स्थितिके अनुसार स्त्री जातकों की कुण्डली में सूर्य की भावगत स्थिति के सुखद व असुखद दाम्पत्य जीवन की सम्भावनाएं निम्न प्रकार से हैं।

पुरुष – सूर्य भाव	स्त्री– सूर्य भाव सुखद	स्त्री–सूर्य भाव असुखद
प्रथम	प्रथम, तृतीय	-

द्वितीय	तृतीय, दशम	एकादश
तृतीय	तृतीय	षष्ठ, दशम
चतुर्थ	सप्तम	चतुर्थ, अष्टम
पंचम	षष्ठ	प्रथम, एकादश
षष्ठ	षष्ठ	प्रथम
सप्तम	–	प्रथम, तृतीय
अष्टम	–	तृतीय
नवम	प्रथम, पंचम	तृतीय, सप्तम
दशम	द्वितीय	तृतीय, चतुर्थ, पंचम
एकादश	–	चतुर्थ
द्वादश	–	द्वितीय, चतुर्थ, नवम्

पुरुष जातकों की कुण्डली में चन्द्रमा की द्वादश भावगतस्थिति के अनुसार स्त्री जातकों की कुण्डली में चन्द्रमा की भावगत स्थिति के सुखद व असुखद दाम्पत्य जीवन की सम्भावनाएं निम्न प्रकार से हैं।

पुरुष– चन्द्रमाभाव	स्त्री– चन्द्रमा भाव सुखद	स्त्री–चन्द्रमा भाव असुखद
प्रथम	चतुर्थ, नवम	–
द्वितीय	प्रथम, पंचम, दोम	नवम
तृतीय	–	–
चतुर्थ	तृतीय	दशम, द्वादश
पंचम	–	–
षष्ठ	–	प्रथम
सप्तम	–	प्रथम
अष्टम	द्वितीय	चतुर्थ
नवम	अष्टम	नवम
दशम	–	–
एकादश	–	नवम
द्वादश	चतुर्थ, एकादश	द्वितीय, सप्तम

पुरुष जातकों की कुण्डली में गुरु की द्वादश भावगत स्थितिके अनुसार स्त्री जातकों की कुण्डली में गुरु की भावगत स्थिति के सुखद व असुखद दाम्पत्य जीवन की सम्भावनाएं निम्न प्रकार से हैं।

पुरुष –गुरु भाव	स्त्री–गुरु भाव सुखद	स्त्री–गुरु भाव असुखद
प्रथम	पंचम, अष्टम	नवम, द्वादश
द्वितीय	अष्टम	तृतीय, सप्तम
तृतीय	द्वितीय	द्वादश
चतुर्थ	–	दशम
पंचम	दशम	प्रथम
षष्ठ	षष्ठ	द्वितीय, दशम
सप्तम	प्रथम, तृतीय, द्वादश	षष्ठ, अष्टम
अष्टम	प्रथम, पंचम	अष्टम
नवम	–	प्रथम
दशम	प्रथम, अष्टम	–
एकादश	षष्ठ, नवम	प्रथम, अष्टम
द्वादश	–	षष्ठ

पुरुष जातकों की कुण्डली में शनि की द्वादश भावगत स्थितिके अनुसार स्त्री जातकों की कुण्डली में शनि की भावगत स्थिति के सुखद व असुखद दाम्पत्य जीवन की सम्भावनाएं निम्न प्रकार से हैं।

पुरुष –शनि भाव	स्त्री–शनि भाव सुखद	स्त्री–शनि भाव असुखद
प्रथम	–	पंचम, नवम, एकादश
द्वितीय	पंचम	–
तृतीय	अष्टम	षष्ठ
चतुर्थ	–	द्वितीय, दशम, षष्ठ
पंचम	अष्टम	–
षष्ठ	पंचम	–
सप्तम	चतुर्थ	प्रथम, दशम
अष्टम	चतुर्थ, नवम	–
नवम	–	तृतीय, चतुर्थ

दशम	द्वितीय, षष्ठ	पंचम
एकादश	–	षष्ठ, सप्तम
द्वादश	तृतीय, एकादश	अष्टम

प्रारूपों का विश्लेषण व परिणाम–

परिणामों के परीक्षण हेतू प्रारूप व उनकी प्रमेयता

क्रमांक	लिंग	जन्म तिथि	समय	जन्मस्थान	परिवाम	प्रमेयता (साध्य)
1.	M	24-10-1980	1:30	Saharanpur	Unhappy	सूर्य,चंद्र
1.	F	15-04-1981	4:00	Muzzafarnagar		
2.	M	28-08-1979	8:55	Delhi	Unhappy	-
2.	F	12-03-1981	10:40	Delhi		
3.	M	22-08-1973	12:15	Agra	Unhappy	-
3.	F	03-11-1968	14:05	Kanpur		
4.	M	13-12-1967	21:19	Jind	Unhappy	शनि
4.	F	09-09-1971	19:43	Delhi		
5.	M	20-09-1937	17:06	Meerut	Happy	चंद्र,बृहस्पति
5.	F	02-02-1940	17:00	Saharanpur		
6.	M	27-01-1972	06:00	Delhi	Unhaapy	-
6.	F	11-02-1982	14:18	Amritsar		
7.	M	07-02-1971	18:15	Rewari	Unhappy	मंगल
7.	F	23-09-1972	05:00	Delhi		
8.	M	28-11-1983	12:26	Agra	Unhappy	-
8.	F	19-04-1987	19:40	Delhi		
9.	M	16-03-1962	07:30	Meerut	Unhappy	-
9.	F	03-05-1969	15:30	Delhi		
10.	M	09-03-1978	23:00	Khaga	Unhappy	मंगल,शनि
10.	F	23-11-1984	18:50	Khaga		
11.	M	11-02-1966	07:15	Nagpur	Unhappy	-
11.	F	28-08-1967	01:35	Kanpur		

12.	M	07-07-1972	07:30	Delhi	Unhappy	-
12.	F	19-10-1976	08:30	Delhi		
13.	M	12-01-1981	03:20	Delhi	Unhappy	मंगल, शनि
13.	F	16-02-1984	11:10	Delhi		
14.	M	08-10-1966	02:40	Lucknow	Happy	-
14.	F	08-03-1971	02:10	Lucknow		

क्रमांक	लिंग	जन्म तिथि	समय	जन्मस्थान	परिवाम	प्रमेयता (साध्य)
15.	M	05-01-1960	5:15	Hisar	Happy	बृहस्पति
15.	F	04-03-1964	23:40	Meerut		
16.	M	26-02-1966	04:10	Sasaram	Happy	मंगल
16.	F	06-12-1969	21:45	Delhi		
17.	M	24-10-1980	01:30	Saharanpur	Unhappy	मंगल
17.	F	15-04-1981	04:00	Muzzaffarnagar		
18.	M	17-07-1968	08:00	Muzzaffarnagar	Happy	-
18.	F	30-12-1978	16:00	Meerut		
19.	M	14-10-1959	17:30	Delhi	Happy	-
19.	F	02-02-1961	16:00	Delhi		
20.	M	09-08-1968	19:20	Meerut	Happy	चॅद्र,बृहस्पति
20.	F	28-10-1969	19:10	Ghaziabad		
21.	M	29-07-1973	06:40	Delhi	Happy	चॅद्र,बृहस्पति
21.	F	01-11-1976	21:30	Delhi		
22.	M	27-01-1963	04:15	Banglore	Unhappy	-
22.	F	06-11-1969	15:00	Banglore		
23.	M	01-01-1957	05:50	Ahmednagar	Happy	सूर्य
23.	F	25-11-1963	01:50	Trichur		
24.	M	30-10-1956	22:00	Delhi	Happy	मंगल
24.	F	10-11-1958	05:25	Delhi		
25.	M	08-07-1965	06:45	Delhi	Happy	-
25.	F	06-10-1966	20:42	Delhi		

26.	M	04-10-1981	20:00	Jalandhar	Unhappy	मंगल
26.	F	04-11-1983	02:53	Delhi		
27.	M	19-09-1968	11:55	Jammu	Unhappy	मंगल
27.	F	28-05-1973	14:15	Jammu		
28.	M	27-03-1966	19:25	Amritsar	Happy	-
28.	F	10-02-1972	08:00	Firozpur		

क्रमांक	लिंग	जन्म तिथि	समय	जन्मस्थान	परिवाम	प्रमेयता (साध्य)
29.	M	12-09-1963	04:45	Saharanpur	Happy	मंगल
29.	F	17-09-1972	16:52	Rampur		
30.	M	22-09-1989	07:29	Agra	Unhappy	`ानि
30.	F	08-01-1990	18:30	Delhi		
31.	M	04-12-1979	19:11	Delhi	Unhappy	चॅंद्र
31.	F	11-08-1979	10:35	Tippecanoe(USA)		
32.	M	18-10-1989	11:45	Amritsar	Unhappy	-
32.	F	12-06-1993	11:30	Pathankot		
33.	M	05-04-1983	08:15	Kangra	Unhappy	-
33.	F	24-08-1983	10:15	Ludhiana		
34.	M	10-10-1977	09:25	Ludhiana	Unhappy	-
34.	F	25-10-1977	22:54	Ludhiana		
35.	M	20-04-1983	07:49	Ludhiana	Unhappy	-
35.	F	25-06-1983	00:02	Kangra		
36.	M	01-11-1986	22:50	Ludhiana	Happy	बृहस्पति
36.	F	17-03-1987	00:32	Ludhiana		
37.	M	01-12-1971	17:55	Ludhiana	Happy	बृहस्पति
37.	F	11-02-1976	09:20	Kapurthala		
38.	M	19-01-1964	07:45	Calcutta	Happy	चॅंद्र
38.	F	29-09-1966	10:10	Dhanbad		
39.	M	01-03-1975	10:45	Ludhiana	Happy	-
39.	F	18-08-1983	09:40	Delhi		

40.	M	14-08-1974	17:37	Garhshankar	Happy	-
40.	F	01-02-1980	11:05	Abohar		

उपरोक्त नियमों को अन्य 40 प्रारूपों पर लगाकर देखा गया है, इन प्रारूपों में से 21 प्रारूपों में उपरोक्त नियमों की पुष्टि हुई है। शेष 19 प्रारूपों में उपरोक्त नियमों के अनुसार ग्रह स्थिति थी ही नहीं। जिन प्रारूपों में उपरोक्त नियमानुसार यह ग्रह स्थिति थी उन प्रारूपों में इनका प्रयोग सफल दिखाई दिया है। अतः यह कहा जा सकता है कि उपरोक्त नियम दाम्पत्य जीवन की सफलता या असफलता को किसी सीमा तक बताने में सक्षम है।

संदर्भ–सूची

1. व्याख्याकार, श्री अभय कात्यायन, 'श्री नारदीय ज्योतिष संहिता', पृ. 202 से पृ. 211 तक।

2. व्याख्याकार, पं केदार दत्त, दैवज्ञ श्री अनन्त सुत श्री रामाचार्य, 'मुहूर्त चिन्तामणि', पृ. 329 से पृ. 359 तक।

3. व्याख्याकार, सुरेश चन्द्र मिश्र, श्री विट्ठल दीक्षित, 'मुहूर्त कल्पद्रूम', पृ. 122 से पृ. 150 तक।

4. व्याख्याकार, शुकदेव चतुर्वेदी, जगन्नाथ भसीन, 'प्रश्नमार्ग' भाग 2, अध्याय 2. 'पति पत्नी की अनुकूलता' पृ. 413 से पृ. 432 तक।

5. प्रियव्रत शर्मा, 'ग्रहयोग एवं दाम्पत्य जीवन' प्राक्कथन पृ. 4.।

6- व्याख्याकार, गोपेश कुमार औझा, दैवज्ञ बैद्यनाथ विरिचत 'जातक पारिजात'।